मंगलायतन विश्वविद्यालय का एक और नवाचार, यूजीसी से ऑनलाइन कोर्स की मिली मान्यता

मंगलायतन विश्वविद्यालय में ऑनलाइन कोर्स कर सकेंगे शिक्षार्थी, प्रवेश प्रक्रिया हुई प्रारंभ

मंगलायतन विश्वविद्यालय द्वारा ऑनलाइन कोर्स शुरू करने के संबंध में अलीगढ़ के होटल गोल्ड इन लीफ में प्रेस वार्ता का आयोजन किया गया। प्रेस वार्ता में ऑनलाइन कोर्स के संबंध में जानकारी साझा की गई। मंगलायतन विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) से ए प्लस ग्रेड मिलने के बाद एक और उपलब्धि मिली है। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) ने विवि को ऑनलाइन कोर्स की मान्यता दे दी है। जो शिक्षार्थी नौकरी के साथ पढ़ाई करना चाहते हैं वह घर बैठे ऑनलाइन पढ़ाई करके अपनी डिग्री पूरी कर सकते हैं। विदित रहे कि विश्व भर में फैली कोविड–19 महामारी ने शिक्षा के तरीकों को पुनर्गठित करने का मौका दिया था। इस दौरान ऑनलाइन शिक्षा पर जोर दिया गया। यूजीसी ने ऑनलाइन कोर्सेज के लिए नियम बनाए थे। विशेषज्ञ पैनल प्रबंधन के दृष्टिकोण में मानदंडों पर खरा उतरने पर विश्वविद्यालय को अनुमति प्रदान की गई है।

कुलपति प्रो. पीके दशोरा ने पत्रकारों से वार्ता करते हुए बताया कि विश्वविद्यालय के लिए यह उल्लेखनीय उपलब्धि है। टेक्नोलॉजी के युग में ऑनलाइन माध्यम शिक्षार्थियों को कुशल और नौकरी करने के लिए तैयार होने में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहा है। अब देश के किसी भी प्रांत, जिला, गांव से विद्यार्थी घर बैठे ही बीबीए, बीसीए, बीए, एमए अंग्रेजी, एमए राजनीति विज्ञान, एमए जर्नलिज्म एंड मास कम्युनिकेशन, एमए पब्लिक एडमिनिस्ट्रेशन, एमए एजूकेशन, एमबीए, एमकॉम, एमसीए, एमएससी गणित आदि कोर्स में प्रवेश ले सकते हैं। कुलपति ने कहा कि विवि को राष्ट्रीय अल्पसंख्यक शैक्षणिक संस्था आयोग, शिक्षा मंत्रालय भारत सरकार से जैन अल्पसंख्यक संस्थान का दर्जा प्राप्त है। विश्वविद्यालय का उद्देश्य विद्यार्थियों के मस्तिष्क में सामंजस्य की भावना स्थापित करने के साथ उन्हें उच्च शिक्षा व संस्कारों की ओर अग्रसर करना है। विश्वविद्यालय उच्च कोटि की शिक्षा एवं विद्यार्थियों के चहुंमुखी विकास के लिए कृत संकल्पित है। विषय विशेषज्ञों द्वारा आधुनिक तकनीक के माध्यम से विद्यार्थियों के कौशल को बढ़ाने पर बल दिया जा रहा है।

डायरेक्टर ओडीएल प्रो. मसूद परवेज ने बताया कि जो लोग किसी कारण से अपनी पढ़ाई पूरी नहीं करपाते उन्हें दूरस्थ और ऑनलाइन शिक्षण कार्यक्रम के माध्यम से सेवाकालीन, पेशेवरों और अन्य अधिकारियों के साथ प्रतिस्पर्धी दुनिया का सामना करने के लिए अपनी योग्यता और कौशलता बढ़ाने का अवसर प्रदान होगा। ऑनलाइन कोर्स में प्रवेश प्रक्रिया प्रारंभ कर दी गई है। विश्वविद्यालय की वेबसाइट पर विद्यार्थी ऑनलाइन फार्म भरकर प्रवेश ले सकते हैं। ऑनलाइन कोर्स में प्रवेश लेने वाले शिक्षार्थियों के पाठ्यक्रम की पढ़ाई के साथ परीक्षा भी ऑनलाइन मोड में ही आयोजित की जाएगी। मुक्त एवं दूरस्थ शिक्षा (ओडीएल) के लिए भी अप्लाई किया है, जल्द ही मान्यता मिलने के बाद दूरस्थ शिक्षा में पाठ्यक्रम शुरू किए जाएंगें।

कुलसचिव बिग्रेडियर समरवीर सिंह ने प्रेस प्रतिनिधियों का आभार व्यक्त करते हुए बताया कि वर्ष 2006 में विश्वविद्यालय की स्थापना के बाद से ही हम उच्च शिक्षा के क्षेत्र में महत्वपूर्ण कार्य कर रहे हैं। वर्तमान परिस्थितियों को देखते हुए ऑनलाइन कोर्स बहुत जरूरी है। जो लोग नौकरी करते हैं या दूर पढ़ाई करने नहीं जा सकते हैं, उनके लिए ऑनलाइन कोर्स बेहतर विकल्प है। ऑनलाइन माध्यम से ऐसे शिक्षार्थियों को शिक्षा ग्रहण करने का बेहतर अवसर प्राप्त होगा जो किसी कारणवश नियमित कोर्स में प्रवेश नहीं ले पाते और उच्च शिक्षा से वंचित रह जाते हैं। इस अवसर पर वित्त सलाहकार अतुल गुप्ता व पत्रकारिता एवं जनसंपर्क विभाग से योगेश कौशिक आदि उपस्थित रहे।

अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में डा. अशोक उपाध्याय को मिला अवार्ड

मंगलायतन विश्वविद्यालय के लाइब्रेरियन डा. अशोक कुमार उपाध्याय को लाइब्रेरी और सूचना विज्ञान के क्षेत्र में उत्कृष्ट योगदान के लिए बेस्ट प्रैक्टिसिंग यूनिवर्सिटी लाइब्रेरियन अवार्ड – 2023 से सम्मानित किया गया है। उन्हें यह अवार्ड मानव रचना इंटरनेशनल इंस्टीट्यूट ऑफ रिसर्च एंड स्टडीज, फरीदाबाद (हरियाणा) के अंतरराष्ट्रीय सम्मेलन में प्रदान किया गया। कार्यक्रम का आयोजन शैक्षणिक पुस्तकालयों में हालिया रुझान ''सिस्टम और सेवाएं'' विषय पर किया गया था। कार्यक्रम का आयोजन डा. ओपी भल्ला सेंट्रल लाइब्रेरी, फरीदाबाद द्वारा किया गया था। सम्मेलन लाइब्रेरी एसोसिएशन ऑफ बिहार और दिल्ली लाइब्रेरी एसोसिएशन के सहयोग से 18 अगस्त को आयोजित हुआ था।

EDITORIAL BOARD :
Patron : Prof. Parmendra Kumar Dashora, Vice Chancellor, **Chief Editor :** Dr. Santosh Kumar Gautam, **Associate Editor :** Ms. Manisha Upadhyay, Mr. Mayank Jain, **Advisory Board :** Brig Sumar Vir Singh (Retd) Registrar, Prof. Ravi kant, Prof. Rajeev Sharma, Prof. Yatendra Pal Singh, Prof. Abdul Wadood Siddiqui, Dr. Poonam Rani, Dr. Javed Wasim, **Sub Editor/Designing :** Mr. Yogesh Kaushik **Student Editor :** Ms. Deepshikha, Mr. Gyanendra Pratap Singh.

Mangal Sampark मंगल सम्पर्क
Edition : August 2023
pro@mangalayatan.edu.in
www.mangalayatan.edu.in
MANGALAYATAN UNIVERSITY NEWS LETTER BY PR UNIT

हर्षोल्लास के साथ मनाया गया स्वतंत्रता दिवस

मंगलायतन विश्वविद्यालय में 77 वां स्वतंत्रता दिवस धूमधाम से मनाया गया। कुलपति प्रो. पीके दशोरा ने ध्वजा रोहण किया। राष्ट्रगान के साथ ही सभी ने राष्ट्रीय ध्वज को सलामी दी और देश सेवा में बलिदान हुए रणबांकुरों को नमन किया।

कुलपति प्रो. पीके दशोरा ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं देते हुए क्रांतिकारियों को नमन किया। उन्होंने कहा कि हमारा झंडा इसलिए नहीं लहराता है क्योंकि हवा इसे लहराती है, अपितु यह सैनिक की उस आखिरी सांस से लहराता है जो इस झंडे की कल्पना करते हुए देश की रक्षा में वीरगति को प्राप्त हुआ है। हम ऐसी महान विभूतियों को याद करते हुए देश को प्रगति के पथ पर आगे लेकर जाने का संकल्प लेते हैं। इस राष्ट्र के निर्माण में युवा प्राणों की आहुति देते आए हैं। यदि हम संकल्प ले और सार्थक प्रयास करें तो बड़े से बड़ा लक्ष्य प्राप्त कर सकते हैं। भारत को विकसित राष्ट्र बनाने के लिए प्रत्येक भारतीय को सक्रिय भूमिका अदा करनी है। विश्वविद्यालय का सतत प्रयास रहता है कि सभी छात्र व प्राध्यापक ज्ञान के विस्तार में योगदान करें।

कुलसचिव ब्रिगेडियर समर वीर सिंह ने स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाएं दी। उन्होंने कहा कि हम सबको गर्व है हम स्वतंत्र हैं। हमारा प्रत्येक कार्य देश के नाम होना चाहिए और कर्तव्यों का निर्वहन ईमानदारी से करना चाहिए। इस अवसर पर सांस्कृतिक कार्यक्रमों का भी आयोजन हुआ। जिसमें रुचि ने गीत व सृष्टि ने कविता पाठ किया, रिंकी व रेशु ने भाव नृत्य किया, रमेश शर्मा ने देश भक्ति गीत सुनाए। वर्ष 2023 में मंविवि में उत्कृष्ट सेवा देने वाले विभाग डीवीपीए, आईबीएमसी, एसओपी के साथ ही प्रो. अंकुर अग्रवाल, डा. पूनम रानी, यादवेंद्र प्रताप सिंह, जितेंद्र यादव, उमेश चंद शर्मा, मयंक प्रताप सिंह, डा. दीपमाला, शोमिल सक्सेना, भूपेंद्र, सुरेश को कुलपति द्वारा प्रशस्ति पत्र देकर सम्मानित किया गया। आभार व्यक्त प्रो. सिद्धार्थ जैन व संचालन मयंक जैन ने किया। इस अवसर पर परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिनेश शर्मा, प्रो. जयंती लाल जैन, प्रशासनिक अधिकारी गोपाल राजपूत, प्रो. मसूद परवेज, प्रो. रविकांत, प्रो. महेश कुमार, प्रो. वाईपी सिंह, प्रो. राजीव शर्मा, प्रो. प्रमोद कुमार, डा. सोनी सिंह, डा. नियती शर्मा, डा. संतोष गौतम, लव मित्तल, श्वेता भारद्वाज आदि थे।

विद्यार्थियों ने ग्रामीणों को वितरित किए राष्ट्रीय ध्वज

मंगलायतन विश्वविद्यालय के प्रबंधन एवं वाणिज्य संस्थान के विद्यार्थियों ने मेरी माटी मेरा देश अभियान के अंतर्गत समीपवर्ती क्षेत्रों में राष्ट्रीय ध्वज का वितरण किया। प्रो. सिद्धार्थ जैन, डा. नियति शर्मा, डा. शालू अग्रवाल व डा. अरसलान के नेतृत्व में गांव संगीला में कार्यक्रम हुआ। विद्यार्थी गांव के प्राथमिक विद्यालय पर एकत्रित हुए और ग्रामीणों के साथ बलिदानियों की चर्चा करते हुए वीरगाथाओं को दोहराया। देशभक्ति से ओत–प्रोत ओजस्वी कविताओं का पाठ किया। प्रबंधन संकाय के अध्यक्ष प्रो. राजीव शर्मा ने बताया कि देश के बलिदानियों की शहादत एवं त्याग स्वतंत्रता का केंद्र बिंदु रहा है।

नुक्कड़ नाटक से बताया माँ का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम

मंगलायतन विश्वविद्यालय के इंस्टीट्यूट ऑफ नर्सिंग एंड पैरामेडिकल साइंसेस विभाग द्वारा विश्व स्तनपान सप्ताह का आयोजन एक से सात अगस्त तक किया गया। विश्वविद्यालय प्रांगण से ग्रामीण महिलाओं को जागरूक करने के लिए जन जागरूकता रैली निकाली गई। रैली का शुभारंभ कुलपति प्रो. पीके दशोरा ने झंडी दिखाकर किया। कुलपति ने कार्यक्रम के आयोजन पर बधाई देते हुए कहा कि यह एक महत्वपूर्ण अभियान है। समाज के लोगों को जागरूक करने के लिए समय–समय पर इस प्रकार के जन जागरूकता कार्यक्रम आयोजित किए जाने चाहिए। इस अवसर पर कुलसचिव बिग्रेडियर समरवीर सिंह, परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिनेश शर्मा, प्रो. आरके शर्मा, प्रशासनिक अधिकारी गोपाल राजपूत, तरून शर्मा आदि उपस्थित रहे।

इसके बाद विद्यार्थी हाथों में स्लोगन लिखी पट्टिकाएं लेकर नारे लगाते हुए किला गांव की गलियों से लोगों को जागरूक करते हुए गुजरे। गांव में छात्र–छात्राओं द्वारा नुक्कड़ नाटक का आयोजन किया गया। नाटक के माध्यम से उन्होंने महिलाओं की शंका का समाधान करते हुए बताया कि मां के दूध का कोई विकल्प नहीं है। शिशु को जन्म के एक घंटे के अंदर स्तनपान करवाए और शिशु को छह माह तक केवल स्तनपान कराए, मां का दूध शिशु के लिए सर्वोत्तम आहार हैं। स्तनपान माता के स्वास्थ्य के लिए भी फायदेमंद है। यह कैंसर, हृदय रोग, और मधुमेह के जोखिम को कम करता है। प्रधानाचार्या डा. लेखा बिष्ट ने सभी का आभार व्यक्त किया। इस अवसर पर नगर पंचायत अध्यक्ष राज सिंह, सेंथिल, नितिन कांत, नेहा कुशवाह आदि थे।

गांव किला में नुक्कड़ नाटक करते मंगलायतन विवि के विद्यार्थी

धूमधाम से मनायी गयी हरियाली तीज

मंगलायतन विश्वविद्यालय में नारी सशक्तिकरण अभियान के तहत हरियाली तीज महोत्सव एनएसएस के तत्वाधान में बड़े ही धूमधाम से मनाया गया। इस मौके पर मंगलायतन परिवार की सभी महिलाएं सावन के गीतों पर जमकर थिरकी। उपहार भेंट करके एक दूसरे को तीज की बधाइयां दीं। मुख्य अतिथि लीला जैन, बिन्नी राजपूत व शीतल राजपूत रही।

विश्वविद्यालय के मुख्य सभागार में आयोजित कार्यक्रम का शुभारंभ मां सरस्वती की वंदना के साथ किया गया। वक्ताओं ने कहा कि पर्व हमारी भारतीय संस्कृति के पोषक होते हैं। तीज पर्व का पौराणिक महत्व है। इस दिन भगवान शिव को पति के रूप में प्राप्त करने के लिए मां पार्वती ने इस व्रत को किया था। इसलिए यह पर्व महिलाओं के किए खास है। इसके बाद महिलाओं ने नृत्य, शायरी, कविता पाठ के माध्यम से अपनी प्रतिभा कौशल का प्रदर्शन किया। कार्यक्रम का संचालन डा. नियति शर्मा ने किया। कार्यक्रम संयोजक विजया सिंह, साक्षी, मंजू व श्वेता भारद्वाज रही। कार्यक्रम में प्रतिभाग करने वाली सभी महिलाओं को सम्मानित किया गया।

मंगलायतन विश्वविद्यालय में हरियाली तीज महोत्सव का आयोजन किया गया। आयोजन में डा. सोनी सिंह, डा. पूनम रानी, डा. उन्नति जादौन ने विश्वविद्यालय में कार्यरत महिला सफाई कर्मियों को हरियाली तीज की शुभकामनाएं देते हुए सुहाग चिन्ह वितरित किए। उन्होंने अपने संदेश में कहा कि यह महिलाओं के प्रेम एवं सौहार्द का उत्सव है। इसमें सावन की शीतल मंद सुगंधित बयार में झूला झूलने का अनूठा ही आनंद है। प्राध्यापक लव मित्तल ने आयोजक की भूमिका अदा की। कुलपति प्रो. पीके दशोरा, कुलसचिव बिग्रेडियर समरवीर सिंह व परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिनेश शर्मा ने आयोजन पर प्रसन्नता व्यक्त की और भविष्य में भी ऐसे आयोजन किए जाने पर जोर दिया।

कार्यकारी परिषद की बैठक में आवश्यकता आधारित गुणवत्ता परक शिक्षा पर चर्चा

मंगलायतन विश्वविद्यालय में कार्यकारी परिषद की 33 वीं बैठक संपन्न हुई। कुलपति प्रो. पीके दशोरा की अध्यक्षता में आयोजित बैठक में कई मुद्दों पर मंथन के बाद निर्णय लिए गए। विद्यार्थी के हित के साथ प्राध्यापकों के हित पर चर्चा की गई। बैठक में कार्यकारी परिषद के सदस्यों के साथ प्रो. महेश चंद्र शर्मा व प्रो. विकास चड्ढा भी उपस्थित रहे। कुलपति ने इसी वर्ष विश्वविद्यालय को राष्ट्रीय मूल्यांकन और प्रत्यायन परिषद (नैक) से ए प्लस ग्रेड मिलने पर हर्ष व्यक्त किया। वहीं, हाल ही में विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) द्वारा विवि को ऑनलाइन कोर्स की मंजूरी दिए जाने की जानकारी साझा की।

बैठक में डा. सौरभ मिश्रा, डा. अमित मिश्रा व प्रो. आरके शर्मा की पुस्तक 'इंपैक्ट ऑफ फास्ट फूड ऑन ह्यूमन हेल्थ' एवं 'दा मेटाबोलिक पजल' का विमोचन किया गया। कुलपति सहित सभी सदस्यों ने प्राध्यापकों को पुस्तक के प्रकाशन के लिए शुभकामनाएं प्रेषित की। डा. सौरभ मिश्रा ने बताया कि पुस्तक में आज कल बच्चों में फास्ट फूड और जंक फूड के सेवन से हो रही बीमारियों के बारे में बताने के साथ ही अभिभावकों को जागरूक किया गया है।

कुलसचिव बिग्रेडियर समरवीर सिंह ने विश्वविद्यालय की नवीन गतिविधियों पर विस्तार से चर्चा की। वहीं बैठक में राष्ट्रीय शिक्षा नीति के क्रियान्वयन, शिक्षण शुल्क नीति, हॉस्टल शुल्क, यातायात शुल्क, एकेडमिक कलेंडर आदि के साथ ही शिक्षण संस्था व इकाइयों के मध्य सामंजस्य बनाए जाने तथा समयनुकुल आवश्यकता आधारित शिक्षा तथा शोध कार्यों की गुणवत्ता के एजेंडा पर चर्चा हुई। बैठक में परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिनेश शर्मा, वित्त अधिकारी मनोज गुप्ता, डीन एकेडमिक प्रो. अब्दुल वदूद, प्रो. महेश कुमार, डा. राजेश उपाध्याय, डा. अशोक उपाध्याय, डा. दीपशिखा सक्सेना, राजेश पंचासरा आदि उपस्थित रहे।

IMPACT OF INDUSTRIALIZATION ON ENVIRONMENTAL SUSTAINABILITYAND THE ROLE OF CORPORATE SOCIAL RESPONSIBILITY

Dr. Vikas Sharma, Associate Professor (ILSR)

Abstract

Though industrialisation plays a very important role in the social and economic development of a nation in many ways such as providing employment to masses; increasing income of people; improving agricultural productivity by mechanization; etc.,industrialization is also a significant factor leading to degradation of the environment.Burning of coal and fossil fuel; discharging harmful chemicals and gas in water, soil and atmosphere; dumping hazardous wastes including e-wastes and radioactive wastes; causing noise, air and water pollution; depleting water level; depleting fertility of soil; excessive extraction of minerals and natural resources; global warming; climate change; etc. have threatened sustainable development. Brundtland Commission defined sustainable development as "development that meets the needs of the present without compromising the ability of future generations to meet their own needs".Indian Government has adopted various measures for promoting sustainable development. Onesuch measure has been taken under Companies Act 2013 by making CSR a legal obligation for certain class of companies and including promotion of sustainable development as one of the permitted activities under CSR.In this paper the authors attempt to study the impact of industrialization on environmental sustainability, the concept of corporate social responsibility (CSR), and how CSR contributes in promotingenvironmental sustainability.

Keywords : Corporate Social Responsibility, CSR, Sustainable Development, Industrialization, Industrial Development, Sustainability, Environment Degradation, Companies Act

रंगोली प्रतियोगिता में सपना, गौरी, हबीबा व कृपा ग्रुप ने मारी बाजी

मंगलायतन विश्वविद्यालय में मेरी माटी मेरा देश अभियान के तहत रंगोली प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। कार्यक्रम एनएसएस के तत्वावधान में शिप्रा सभागार में हुआ। प्रतियोगिता में 12 समूहों ने प्रतिभाग कर अपनी रचनात्मक कौशल का प्रदर्शन कर आकर्षक रंगोलियां बनाई। छात्र–छात्राओं ने रंगों के माध्यम से मन के भावों को उकेर कर देशवासियों को देश प्रेम का संदेश दिया।

कुलपति प्रो. पीके दशोरा, परीक्षा नियंत्रक प्रो. दिनेश शर्मा, प्रो. राजीव शर्मा ने विद्यार्थियों द्वारा बनाई गई रंगोलियों का अवलोकन किया। वहीं विशाल, विक्रांत आदि का सहयोग प्रतिभाग करने वाले विद्यार्थियों को रहा। उज्जवल भविष्य के लिए शुभकामनाएं दी। डा. पूनम रानी ने रंगोली के महत्व व रंगोली बनाने की बारीकियों पर प्रकाश डाला। प्रतियोगिता में सपना भारद्वाज व गौरी बघेल ग्रुप प्रथम, हबीबा रफी ग्रुप द्वितीय व कृपा शर्मा ग्रुप तृतीय स्थान पर रहा। स्थान प्राप्त करने वाले समूहों के साथ ही प्रतिभागियों को प्रमाण पत्र देकर सम्मानित किया गया। इस अवसर पर कार्यक्रम समन्वयक प्रो. सिद्धार्थ जैन, कार्यक्रम अधिकारी डा. नियति शर्मा, डा. उन्नति जादौन, भावना राज, श्वेता भारद्वाज थे। स्वयं सेवकों में शिवम, विशाल, विक्रांत आदि का सहयोग रहा।

PUBLICATIONS

S.No	Title of the research paper	Author	ISSN/ISBN No.	Journal/Book Name	Publisher
1.	Cinema in the World of Ott and the Ethics of Visual Representation in a Fictional World	Rahul Mahajan & Dr. S. K. Gautam	0103-944X	The Ciência & Engenharia-Science & Engineering Journa	Penprints, Kolkata
2.	Rise of OTT - A Threat to Cinema Halls	Rahul Mahajan & Dr. S. K. Gautam	978-81-959158-7-3	Digital is the new mainstream	Federal University of Uberlandia, Brazil
3.	Impact of Industrilization on Environmental Sustainability and the role of Corporate social Respoinsibility	Dr. Vikas Sharma & Amiya Nishant	978-81-957449-2-3	Rights Nature and Sustainability	HNLU Press. Hidyatullah National Law University, Raipur.